वर्ष 2000 मुबारक

सतीश कुमार कश्यप
सन्देशवाहक

365 दिन जब बीते, नया वर्ष आ जाता है ।
साथ ही अपने नई उमंगे, नई तंरगे लाता है ।।
1999 गया, 2000 आया, इसकी शान निराली है ।
100 वर्षो बाद मेरे बंधु, सदी बदलने वाली है ।।
हो मुबारक नया वर्ष, पर भाई इतना ध्यान रहे ।
अपने पराये भले बुरे की प्यारे, अब पहचान रहे ।।
पिछले वर्ष की कमियों का, अब नये वर्ष में करो सुधार ।
फिर देखों इस नये वर्ष में, कैसी कृपा करें करतार ?
धूमधाम से सब देशों में, जश्न मनाया जाता है ।
365 दिन जब बीतें, नया वर्ष आ जाता है ।।
नया वर्ष है भाई मेरे, मिलजुल कर खुशी मनाओ ।
मन्दिर, मस्जिद, गुरूद्वारें और गिरजे खूब सजाओ ।।
सबका सांई एक है प्यारे, अल्लाह कहो या राम ।
सब धर्मो के ग्रन्थ पुकारे, प्रभु उसी का नाम ।।
सब नदियों का जल भी आखिर, सागर में मिल जाता है ।
365 दिन जब बीतें, नया वर्ष आ जाता है ।।
वर्ष भी बदला, चाल भी बदलो, झूठे धन्धे तुम छोड़ो ।
प्यार की गीता पढ़ो हमेशा, सच से नाता तुम जोड़ो ।।
देश-प्रेम को दिल में रखकर, आगे कदम बढ़ाओ तुम ।
सतीश कश्यप की बस यही दुआ है, ऊँचे चढ़ते जाओ तुम ।।
प्रभु की कृपा उसी पर होती, जो उसको अपनाता है ।
365 दिन जब बींते, नया वर्ष आ जाता है ।।